ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " **Sanskrit as a mother of literature** "
Date of the Event	26.04.2023
Venue of the Event	College Conference Hall
Organized By	Department Of Sanskrit
No of Participant	90
Resource Persons	Not Applicable
Transcript of M.O.M. in English	**Department of Sanskrit** Today on dated 26.04.2023 on the recommendation IQA Cell a workshop is organised by the Department of Sanskrit in conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya, Triveniganj (Supaul) under the chairmanship of Prof. Ramchandra Prasad Raman, H.O.D. Sanskrit. Topic :- "Sanskrit as a mother of literature"

सूचना

संख्या–SNK/D/001

संस्कृत विभाग स्नातक पार्ट–**I, (Hons)** के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक–26/04/2023 रोज–बुधवार दिन के 11:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें, आप सभी छात्र–छात्राओं का उपस्थिति अनिवार्य हैं। सभी छात्र/छात्रा अपना–अपना आधार कार्ड एवं पैन कार्ड का फोटो कॉपी साथ अवश्य लावेगें।

Copy to
Principal, A.L.Y. College, Triveniganj
IQAC – COORDINATOR

प्रो0 रामचन्द्र प्रसाद "रमण"
विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग
अनूपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज सुपौल

NOTICE OF THE EVENT

18

<u>बैठक सं० - 08</u>

आज दिनांक - 26.04.023 रोज - बुधवार को A.P.-1 संस्कृत विभाग का कार्यशाला महाविद्यालय के सभागार में दिन 10.00 बजे पूर्वाह्न आयोजित किया गया। जिसमें Students - teacher meet togather for ~~Skill development~~ "Sanskrit as a mother of litrature" विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस सभा में महाविद्यालय निम्नलिखित शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मी तथा छात्र/छात्राएँ उपस्थित हुए।

Esd.- 1979 ... Triveniganj, Supaul (Bihar)

संयोजक (ह0) 26.4.23
आयोजक

(signature) 26.04.023
IQAC Coordinator
A.L.Y.C. Triveniganj

विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग

प्राचार्य
अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज
PRINCIPAL ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA Triveniganj, Supaul (Bihar)

<u>शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मीगण</u>

1. Arun Kumar Eco
2. Vidyanand yadav SNK.
3. Shambhu yadav Geography
4. Sonu Snehil (Computer Diploma, ALY College)
5. Shankar Mishra. (Sanskrit)
6. Ramchandra Pd Raman
7. Shambhu prasad yadav (Sanskrit) A.L.y college
8. Birendra Kr Marik (History) A.L.Y. Triveniganj
10. Anil Kumar yadav
11. Dinesh yadav
12. Sushil Kumar yadav
13. Santosh Kumar
14. Guddu kumar
15. Kundan
16. Budhdev yadav
17. Tarun Kumar yadav

Ashima Kumari

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 19

छात्र / छात्राओं नाम

1	चाँदनी कुमारी	130
2	शिवानी कुमारी	206
3	मनिषा कुमारी	825
4	प्रिती कुमारी	822
5	सीमा कुमारी	888
6	रूपम कुमारी	144
7	रम्भा कुमारी	159
8	रिणा कुमारी	944
9	चाँदनी कुमारी	
10	कंचन कुमारी	915
11	पल्लवी कुमारी	163
12	गुड़िया कुमारी	204
13	प्रियंका कुमारी	911
14	कंचन कुमारी	856
15	रूपा कुमारी	906
16	कल्पना कुमारी	146
17	अमृता कुमारी	156
18	राधा कुमारी	138
19	आशा कुमारी	178
20	नेहा कुमारी	386
21	कविता कुमारी	91
22	बिमा कुमारी	255
23	ब्युटी कुमारी	728
24	सुषमा कुमारी	872
25	पुनम कुमारी	628
26	काजल कुमारी	245
27	नेहा कुमारी	39
28	डौली कुमारी	171
29	कौमल कुमारी	342
30	चंचल कुमारी	706
31	ममता कुमारी	520

Esd.- 1979 ...nganj, Supaul (Bihar)

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 20
Date

(32) रंजनु कुमारी — 655
(33) कुमारी अल्पना — 127
(34) मेनुखी कुमारी - 853
(35) Sarita Kumari — 871
(36) Bablu Kumar - 83
(37) बालकृष्ण कुमार — 817
(38) Raghunandan Kumar - 93
(39) Rudal Kumar — 6454
(40) Bikash Kumar — 645
(41) Munnal
(42) Shankar Kumar - 820
(43) Pradip Kumar → 740
(44) Minshu Kumar → 666
(45) Aravind Kumar = 835
(46) Krishna Kumar 728
(47) Sandeep Kumar - 61
(48) Guddu Kumar - 452
(49) Rupesh Kumar 145
(50) Naresh Kumar - 115
(51) Sushil Kumar 62
(52) Sandip Kumar 72
(53) Ajay Kumar 442.
(54) Dilkhush kumar 497
(55) Prince Kumar
(56) Bibhash Kumar
(57) Deepak Kumar
(58) मिथिलेश कुमार आह्वान
(59) Bikash Kumar — 233
(60) Ranjesh-Kumar - 231
(61) Rajit Singh — 1
(62) Ranjeet Kumar

MAHAVIDYALAYA Estd.-1979 Triveniganj, Supaul (Bihar)

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 21
Date

(63) Bikash Kumar
(64) Amit Kumar.
(65) Randhir Kumar 525
(66) Ranjeet k.r
(67) Ranjan Kumari – 176
(68) Hansha Kumari
(69) Khushboo Kumari – 502
(70) Nitu Kumari – 125

Estd.- 1979 ... Mahavidyalaya ... ganj, Supaul (Bihar)

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

PHOTOGRAPH OF THE EVENT

PHOTOGRAPH OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal [redacted]

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED] [redacted]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ✱ Tel./Fax: 06477-220940 ✱ Website- www.alycollege.com ✱ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....   Date ....

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com भागलपुर, गुरुवार, 27 अप्रैल 2023 04

संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन व श्रेष्ठ भाषा

- एएलवाई कॉलेज में संस्कृत विषय पर कार्यशाला का आयोजन
- शिक्षकों ने आधुनिक युग में संस्कृत विषय के महत्व को बताया

त्रिवेणीगंज, निज संवाददाता। एएलवाई कॉलेज में बुधवार को संस्कृत विषय को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद रमन ने की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्रों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था।

विभागाध्यक्ष प्रो. रामचंद्र प्रसाद रमन ने आधुनिक युग में संस्कृत विषय के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में बोलचाल की भाषा के रूप में संस्कृत को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है, जबकि उत्तराखंड में संस्कृत को दूसरी राज्य भाषा का दर्जा प्राप्त है। इसके अलावा कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई जिले के गांव में संस्कृत बोलचाल की भाषा है। संस्कृत साहित्य में कालिदास जैसे महाकवि, भवभूति जैसे नाटककार, बाणभट्ट जैसे गद्य लेखक, जयदेव जैसे गीतिकाव्य लेखक, श्रीहर्ष जैसे पंडित, माघ और भारवि जैसे महाकाव्य रचनाकार हुए जो भारत की सभ्यता और संस्कृति की धरोहर है।

आईक्यू सेल के अध्यक्ष अशोक कुमार ने छात्रों को नियमित कॉलेज आने के लिए प्रेरित किया। संस्कृत विषय के प्राध्यापक प्रो. शंकर मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा देववाणी कहलाती है, यह ना केवल भारत की महत्वपूर्ण भाषा है बल्कि विश्व के

एएलवाई कॉलेज में बुधवार को कार्यशाला में मौजूद छात्र।

प्राचीनतम और श्रेष्ठतम भाषा मानी जाती है। संस्कृत के प्राध्यापक प्रो. शंभू यादव ने कहा कि हिन्दू धर्म से संबंधित सभी धार्मिक ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं।

संस्कृत के प्राध्यापक प्रो. विद्यानंद यादव ने कहा कि संस्कृत साहित्य के अनुशीलन से पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। संस्कृत भाषा भारतीय हिन्द आर्य भाषा है। इसे व्याकरण और वाक्य विन्यास की अधिक विकसित प्रणाली के साथ दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे जटिल भाषाओं में से एक मानी जाती है। मौके पर प्रो. अरुण कुमार, शंभू यादव, सोनू स्नेहिल, गगन, दिग्दर्शन, प्रभात, कुमारी अल्पना, चांदनी कुमारी, राधा रूपम कुमारी, कल्पना कुमारी, अमृता कुमारी, रंभा कुमारी, पल्लवी, डोली कुमारी थी।

13.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalay
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Principal

[redacted]

[redacted]

Mob.- 9939257785, 9431204188 • Tel./Fax: 06477-220940 • Website- www.alycollege.com • E-mail- aly.college79@gmail.com

प्रो देवनारायण की अध्यक्षता में एएलवाय कॉलेज में हिंदी विषय पर कार्यशाला आयोजित

हिंदी साहित्य समाज का दर्पण है : प्रो रामचंद्र

हिन्दी विषय सेमिनार

संस्कृत विषय सेमिनार

कार्यशाला में मौजूद छात्र-छात्राएं.

उपस्थित छात्र-छात्राएं व अन्य.

भारत की राजभाषा व सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है हिंदी

प्रतिनिधि, त्रिवेणीगंज

अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज के तत्वाधान में गुरुवार को हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता हिंदी विषय के विभागाध्यक्ष प्रो देवनारायण यादव ने किया. उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया. जिसका मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था. विभागाध्यक्ष प्रो देवनारायण यादव द्वारा आधुनिक युग में हिंदी विषय के महत्व को बताया गया. कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो देव नारायण यादव ने बताया कि हिंदी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा और भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है.

भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य का जन्मदाता माना जाता है. हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रो रामचंद्र प्रसाद द्वारा बताया गया कि मध्ययुगीन भारत के अवधी, मागधी तथा मारवाड़ी जैसी भाषाओं के साहित्य को हिंदी का आरंभिक साहित्य माना जाता है. हिंदी साहित्य समाज का दर्पण है, जो मानव को कई नई सीख देता है. हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रो प्रभास कुमार तथा प्रो तरुण कुमार सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को अपने कर्तव्य के प्रति अवगत करवाया गया, महाविद्यालय नियमित आने के लिए प्रेरित किया गया. आईक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण के उपाय पर प्रकाश डालते हुए नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया. प्राध्यापक प्रो अरुण कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के विधि व्यवस्था से अवगत करवाया गया तथा नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अरविंद कुमार, प्रो विद्यानंद यादव, प्रो शंभू यादव, हिंदी विभाग प्राध्यापिका प्रो अंजना कुमारी, शिक्षकेतर कर्मचारी सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जलेश्वर भगत, मनोज कुमार सहित हिंदी विषय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

संस्कृति विषय पर कार्यशाला, वक्ताओं ने कहा विश्व की प्राचीन व श्रेष्ठ भाषा है संस्कृत

त्रिवेणीगंज. अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज के तत्वाधान में बुधवार को संस्कृत विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता संस्कृत विषय के विभागाध्यक्ष प्रो रामचंद्र प्रसाद "रमन" ने किया. उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया. जिसका मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था. विभागाध्यक्ष प्रो रमन द्वारा आधुनिक युग में संस्कृत विषय के महत्व को बताया गया. उन्होंने बताया की भारतीय संविधान में बोलचाल की भाषा के रूप में संस्कृत को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है. जबकि उत्तराखंड में संस्कृत को दूसरी राज्य भाषा का दर्जा प्राप्त है. इसके अलावा कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई जिले के गांव में संस्कृत बोलचाल की भाषा है. संस्कृत साहित्य में कालिदास जैसे महाकवि, भवभूति जैसे नाटककार, बाणभट्ट जैसे गद्य लेखक, जयदेव जैसे गीतिकाव्य लेखक, श्रीहर्ष जैसे पंडित,

कार्यशाला को संबोधित करते अतिथि.

माघ और भारवि जैसे महाकाव्य रचनाकार हुए, जो भारत की सभ्यता और संस्कृति की धरोहर है. आईक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं को नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया तथा महाविद्यालय में व्यवस्थित शिक्षा-व्यवस्था से अवगत कराया गया. संस्कृत विषय के प्राध्यापक प्रो शंकर मिश्र ने बताया की संस्कृत भाषा देववाणी कहलाती है. यह न केवल भारत की महत्वपूर्ण भाषा है. अपितु विश्व के प्राचीनतम व श्रेष्ठतम भाषा मानी जाती है. संसार के सभी विद्वान एकमत से संस्कृत के प्रथम ग्रंथ वेद को सबसे प्राचीन मानते हैं. संस्कृत के प्राध्यापक प्रो शंभू यादव ने बताया कि हिंदू धर्म से संबंधित सभी धार्मिक ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं. बौद्ध धर्म और जैन धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में है. आज भी यज्ञ और पूजा में संस्कृत मंत्रों का ही प्रयोग किया जाता है. संसार का आदि काव्य रामायण महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित संस्कृत भाषा में है. हमारी संस्कृति का धरोहर संस्कृत भाषा ही है. प्राध्यापक प्रो विद्यानंद यादव ने बताया कि संस्कृत भाषा भारतीय हिंद आर्य भाषा है. इसे व्याकरण और वाक्य विन्यास की अधिक विकसित प्रणाली के साथ दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे जटिल भाषाओं में से एक मानी जाती है. संस्कृत से सुसंस्कृत समाज का निर्माण होता है. संस्कृत भाषा के महत्व को देखते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सरकार द्वारा संस्कृत विषय के अध्ययन पर बल दिया गया है. कार्यशाला में प्रो अरुण कुमार, प्रो विनोद कुमार मरिक द्वारा भी छात्रों को नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो शंभू यादव, सोनू स्नेहिल, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जलेश्वर भगत, रंजन कुमार, अमित कुमार, संदीप कुमार, बबलू कुमार, कविता कुमारी, कुमारी अल्पना, चांदनी कुमारी, राधा कुमारी, रूपम कुमारी, कल्पना कुमारी, अमृता कुमारी, रंभा कुमारी, पल्लवी कुमारी, डोली कुमारी, आशा कुमारी, [illegible] कुमारी, काजल कुमारी, विभा कुमारी, कोमल कुमारी, नेहा कुमारी, ममता कुमारी, [illegible] कुमारी, [illegible] कुमारी, ब्यूटी कुमारी, पूजा कुमारी, कंचन कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे.

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal

[redacted]

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

[redacted]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ✸ Tel./Fax: 06477-220940 ✸ Website- www.alycollege.com ✸ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....   Date ....

दैनिक भास्कर

भा[illegible]र | शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023 | 18

बोलचाल की भाषा के रूप में संस्कृत को आठवीं अनुसूची में किया शामिल

एएलवाई कॉलेज में संस्कृत विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया

भास्कर न्यूज | त्रिवेणीगंज

प्रखंड मुख्यालय स्थित एएलवाई कॉलेज में बुधवार को संस्कृत विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्कृत विषय के विभागाध्यक्ष प्रो.रामचंद्र प्रसाद रमन ने की। उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया। जिसका, मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था। विभागाध्यक्ष प्रो.रामचंद्र प्रसाद रमन द्वारा आधुनिक युग में संस्कृत विषय के महत्व को बताया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में बोलचाल की भाषा के रूप में संस्कृत को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है। जबकि उत्तराखंड में संस्कृत को दूसरी राज्य भाषा का दर्जा प्राप्त है। इसके अलावा कर्नाटक,मध्यप्रदेश,राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई जिले के गांव में संस्कृत बोलचाल की भाषा है। संस्कृत साहित्य में कालिदास जैसे महाकवि,भवभूति जैसे नाटककार, बाणभट्ट जैसे गद्य लेखक,जयदेव जैसे गीतिकाव्य लेखक, श्रीहर्ष जैसे पंडित,माघ और भारवि जैसे महाकाव्य रचनाकार हुए जो भारत की सभ्यता और संस्कृति की धरोहर है। कार्यशाला में प्रो.अशोक कुमार,प्रो.शंकर मिश्र,प्रो.शंभू यादव, प्रो.विद्यानंद यादव, प्रो.अरुण कुमार, प्रो. शंभू यादव,सोनू स्नेहिल, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जलेश्वर भगत, रंजन कुमार, अमित कुमार,संदीप कुमार,बबलू कुमार, कविता कुमारी, कुमारी अल्पना, चांदनी कुमारी,राधा कुमारी, रूपम कुमारी,कल्पना कुमारी, अमृता कुमारी, रंभा कुमारी, पल्लवी कुमारी, डोली कुमारी, आशा कुमारी, शिवानी कुमारी, काजल कुमारी, विभा कुमारी, कोमल कुमारी, नेहा कुमारी, ममता कुमारी, पूनम कुमारी, चंचल कुमारी, ब्यूटी कुमारी,पूजा कुमारी, कंचन कुमारी आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला में उपस्थित कॉलेज कर्मी व छात्र-छात्राएं।

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Notice of the Event
2. M.O.M. of the Program
3. Attendance of the Program
4. Original Attendance Record
5. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
6. Copy of Newspaper Release